

छत्तीसगढ़ बजिली उत्पादन कंपनी नंबर वन

चर्चा में क्यों?

4 जुलाई, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ स्टेट पावर जनरेशन कंपनी ने 85.71 फीसदी प्लांट लोड फैक्टर (पीएलएफ) हासिल कर देशभर के 33 बजिली घरों को पछाड़ कर पहला स्थान प्राप्त किया है।

प्रमुख बटु

- केंद्र सरकार के उपक्रम सेंटरल इलेक्ट्रिसिटी अथॉरिटी (केंद्रीय वदियुत प्राधकिरण) नई दलिली ने 33 स्टेट सेक्टर में छत्तीसगढ़ स्टेट पावर जनरेशन कंपनी को बेहतर परफार्मेंस के लिये पहली तमिाही में पहली रैंकिग दी है।
- छत्तीसगढ़ स्टेट पावर जनरेशन कंपनी की क्षमता 2840 मेगावाट है, जसिमें 85.71 प्रतशित पीएलएफ (प्लांट लोड फैक्टर) के साथ पहला स्थान हासिल किया है। दूसरे स्थान पर ओडिशा पावर जनरेशन कॉर्पोरेशन है। जसिका प्लांट लोड फैक्टर 84.98 फीसदी रहा है।
- वदिति है कि केंद्र सरकार का उपक्रम सेंटरल इलेक्ट्रिसिटी अथॉरिटी (केंद्रीय वदियुत प्राधकिरण) नई दलिली हर तीन महीने में रैंकिग जारी करता है।
- देशभर के 33 स्टेट सेक्टर में औसत पीएलएफ 66.97 प्रतशित है, जबकि छत्तीसगढ़ के संयंत्रों ने 85.71 प्रतशित वदियुत उत्पादन किया है। पूरे भारत में सभी थर्मल पावर प्लांटों का औसत पीएलएफ 70.02 प्रतशित रहा। यानी सभी संयंत्रों से अधिक उत्पादन छत्तीसगढ़ के संयंत्रों में हुआ।
- जनरेशन कंपनी के प्रबंध नदिशक संजीव कुमार कटयार ने बताया, अप्रैल-मई-जून के उत्पादन के आधार पर रैंकिग मिली है। इस दौरान प्रदेश में भीषण गर्मी की स्थिति थी। सभी राज्यों में बजिली की बहुत अधिक मांग थी। छत्तीसगढ़ में 18 अप्रैल को बजिली की मांग 5878 मेगावाट तक पहुँच गई थी।
- ऐसी परसिथिति में जनरेशन कंपनी के संयंत्रों ने लगातार बना रूके कार्य किया और प्रदेश में बना पावर कट के नरिबाध वदियुत आपूर्ति जारी रखी। खासकर इस वर्ष हसदेव ताप वदियुत संयंत्र कोरबा पश्चिमि, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ताप वदियुत संयंत्र (डीएसपीएम) कोरबा पूर्व तथा अटल बहिराी वाजपेयी ताप वदियुत संयंत्र मड़वा ने बेहतर उत्पादन किया है।
- 1984 में स्थापति हसदेव ताप वदियुत संयंत्र कोरबा पश्चिमि के यूनिट क्रमांक 04 ने 162 दनि 12 घंटे बना थमे वदियुत उत्पादन का रकिॉर्ड बनाया है, पहले इस यूनिट से अधिकतम 111 दनि 9 घंटे तक ही लगातार वदियुत उत्पादन हुआ था।

